

धर्मरत्नं बज्राचार्य श्री महाबिहार
धर्मरत्नं बज्राचार्य श्री महाबिहार

II-305

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



॥ उं नमः शिवाय ॥
॥ उं नमः शिवाय ॥
॥ उं नमः शिवाय ॥
॥ उं नमः शिवाय ॥
॥ उं नमः शिवाय ॥

कविह्वजा नांभ उरैव रखाहि ॥ सर्व इह स च दमक अस्मि मसल पन मस्य
ग हस्त च रु मूख स घ व न भ वा आ ग द २ स व ३ इ स ल पा भ है वि श म रा वि
घ्न पा ठ क वि कृ ता न न स र्व रू त रु य क मं रु द म हा स ना दि न व्या धु व न्म नि
रु त म कृ व २ स र्व क र्म भी दि द २ य व प य ३ न स र्व म नु रा हि द २ प व म डा अ
रु म २ सा ए न ना न भ स र्व रू ता म थ २ ति ॥ य स र्व इ ह न य व ध य २ म मा मि

८

८
५
५

नश्वजलायश्वजकटवजसटवजम
संवजयखाहा॥ उं पृष्टक ईं रुद्रा उं
ईं रुद्रा उं नमः समक कायवाकवि
इवजातयानमभावजलाय॥ उं ईं जिननिमि ईं वं ईं रुद्रा २ खाहा
॥ ॐ ॥ इति श्री ३ प्रसन्नकस्य हृदयमन्त्राध्यायः समाप्तः ॥

॥ ॐ ॥ २ ॥ अं न
पद्माक्षकाय॥ ॥ इति
॥ उं ईं ईं ईं गवूलसववि
हलितविरूविशमय विः
वशीधनति॥ यथाहृदहृद



भावत्प्रयाय॥ उं नमः
कायवाकवि इवज
वलसर्वविषयात्मक
कदापि दत्ताकिपदे
॥ इति श्रीमद्वलपवाक

五

मर्म आर्यगण। किरुगगममध्विग। वृद्ध २ हयपि न इच्छत नमखाद २ यवम
 उद्विद्ध २ सिद्धिम २ आवगम सर्वयय सर्वजलपिधानं दिन ॥ सर्व
 ग्रहवक्त्रपतिहगारुतककिंविनायसिः ॥ दं सर्व इष्ट ग्रह इष्ट सूर्यम्वा
 ॥ धन २ मय २ मह २ पातयव २ वृद्धधर्म संघाय ॥ सतकर्म कृन् २ सि
 ग्रहयणीर्वाय रुट् २ वज रुट् ॥ वजगाजाय रुट् ॥ वज दक्षाय रुट् ॥ वज

पूनाय रुद्रावरुघनेतिद्या
तासाय रुद्रावर्लाकारुया
रूपनिहताय रुद्रावजक
इं इं इं रुद्र रुद्र रुद्र ह्या हा
यमन्ताध्वानि समाफडा



कर्मभयं हृद्गयनमनुवि
कर्मभयं हृद्गयनमनुवि
सर्वकर्म
सर्वकर्म
सर्वकर्म

三

८

उत्तमसहस्रमकवज्रसर्ववज्रवृक्षमहावलकटवक्तव्यश्रुचलम
 बुलमायश्रुतिवज्रमहावज्रमहावलविगहश्रुतिगजलशक्तिमिति
 त्रिदहशक्तवज्रमिति शिवधर्ममहावलवज्रांकुगहालागुहायस्वाहा
 ॥ ॐ ॥ शक्तिश्रीमहावलमहदयमन्त्रध्वनिमहाफला ॥ ॐ ॥
 उत्तमसहस्रमलोय ॥ उत्तमसहस्रवलाय ॥ उत्तमसहस्रवलाय ॥ ० ॥

६

श्रीश्रवणमहदयमन्त्र
 वज्रकोटाय ॥ इन्द्रवि
 श्वरूपस्वाहा ॥ ॐ ॥
 ध्वनिमहाफला ॥ ॐ ॥
 यथा ॥ उत्तमसहस्रवलाय ॥



महदयमन्त्रमहा
 वज्रवध ॥ इन्द्रविश्वरूप
 शक्तिश्रवणमहदयमन्त्र
 ॐ ॥ उत्तमसहस्रवज्रसत्ता
 माय ॥ उत्तमसहस्रवज्रसत्ता

गोव इ इ व २ इ इ व २ इ इ व २ इ इ व २
 सुवासुक्ति य इ २ इ व
 गगन उ गगन सुय वा
 ॐ वा २ इ इ व २ इ इ व २ इ इ व २
 भूमा क २ ॥ ॐ



उक्ति गजाय इ २ इ व २ इ इ व २ इ इ व २
 म २ ग २ इ इ व २ इ इ व २ इ इ व २
 ऊय २ इ २ इ व २ इ इ व २ इ इ व २
 कस्य द्वादश भक्तो धाम वि
 उ न मा पी व ज स त्या य ॥

॥

उ न मा न त्प य या य २ इ
 ल द गु इ इ व २ इ इ व २ इ इ व २
 वृष्णा व २ इ इ व २ इ इ व २ इ इ व २
 नी स्वा हा ॥ आ क ट आ क
 उ स्वा हा ॥ ॐ ति थि नी ल



न म २ दी ल द गु य २ इ
 २ व ज स त्व इ इ व २ इ इ व २ इ इ व २
 दि ला व धी स वा य सा ध
 म व ज रु द इ इ इ इ इ इ इ
 द गु म्प द द थ म ला धा व

द निसिनादशा ॐ ॥
 मडलीमनकवर्द्धियम
 मजमवैसलीता ॐ
 उं नमो नमो नमो नमो
 हृदयानाम ॐ ॥

[illegible]

एहदयमकाधनशि
 नमा बलकयायवाडेन
 बाऊइइइइइइइइइइ
 वयश्चसक...वान...
 २सर्व...हहहिहि



समाफडा। २७ वाडें
महम्म नाजायगा उं महम्म
शकानय शगऊय शगे
बन्ध शतागाम कान गद्व
इ इ ह ह हा हा इ इ ए

स्नाहा ॥ उं अं इं ॥ ४४
 ॐ ॥ गं नं ति थो स
 वशिष्ठमाफ ॥ ४५ ॥ ॥
 म ४५ ॥ ॥ उं यं मा न
 ह ॥ उं यं मा न क इं ह



कलवलथ इं ह ॥ स्नाहा ॥
 म्बा जस्य हृदयं मंकां वि
 उं नं मां गी दं गं कां ह ॥ य न
 क इं ह ॥ उं यं ह ॥ क क इं
 ॥ उं वि प्ना क क इं ह ॥

उं महावल इं ह ॥ उं अं वल इं ह ॥ उं हं वि बा ज इं ह ॥ उं ती न द
 इं ह ॥ उं उं ह ॥ यं व क व इं ह ॥ उं ह ॥ उं म क बा म इं ह ॥ उं ह ॥ उं ह ॥
 व नं ग क थ ल अ ग्नि ने म स्य वा य ॥ ४६ ॥ उं ह ॥ उं ह ॥ उं ह ॥
 ग ॥ ४७ ॥ उं ह ॥ उं ह ॥ उं ह ॥ उं ह ॥ उं ह ॥ उं ह ॥
 स मा फ ॥ ४८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

५ लघुकादामनास्त्रि २२७३३ ॥ शुरुसंगलं वलुसर्वदाकाश ॥
॥ ६३ ॥

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाबिहारी

II-305